

## गीतानुक्रमणिका

|     |                                |    |
|-----|--------------------------------|----|
| 1.  | जननीपुत्रसंवादः                | 1  |
| 2.  | मूषकमार्जारीसंवादः             | 3  |
| 3.  | गच्छन्नहमस्मि सतैव पथा         | 5  |
| 4.  | विमानेन सोऽहं गतः              | 7  |
| 5.  | दर्दुरगीतम्                    | 9  |
| 6.  | अहोऽद्भुतं नु राष्ट्रमस्माकम्  | 11 |
| 7.  | शेषं मन्ये पाखण्डम्            | 13 |
| 8.  | बद्धश्रमिकोऽहम्                | 15 |
| 9.  | बालभिक्षुकाः                   | 18 |
| 10. | अपहतपुत्राया जनन्याः परिदेवनम् | 21 |
| 11. | यथाऽस्म्यहम्                   | 25 |
| 12. | पश्यात्मवत् सर्वमपि जीवम्      | 27 |
| 13. | गोष्पदकल्पमभून्नु जीवनम्       | 30 |
| 14. | बालगजदण्डकम्                   | 31 |
| 15. | सकृत् पुनः                     | 33 |
| 16. | जयतु मे भारतम्                 | 35 |
| 17. | सैनिकगीतम्                     | 37 |
| 18. | किं वा समुच्यताम्?             | 39 |
| 19. | दरिद्रोऽस्मि जातः              | 41 |
| 20. | नवनीतं ते भविताऽलभ्यम्         | 42 |

|     |                          |    |
|-----|--------------------------|----|
| 21. | बन्धुदृशा शपामि          | 44 |
| 22. | तद् व्युपदिशामि          | 46 |
| 23. | अम्भोधराः                | 48 |
| 24. | मम पञ्चदारकाः            | 49 |
| 25. | उद्वेगो मे प्रचीयते      | 51 |
| 26. | आयातो द्वारे मे योगी     | 52 |
| 27. | श्वानं पालय              | 54 |
| 28. | अद्यास्ति रामनवमी        | 56 |
| 29. | पश्यायं शिशुमारो नृत्पति | 58 |
| 30. | शैशवसुखानि               | 60 |
| 31. | पितरावगमयत               | 62 |
| 32. | रोगभयं संहरणीयम्         | 64 |
| 33. | सम्बन्धज्ञानम्           | 66 |
| 34. | बालकथा                   | 68 |
| 35. | दारकाणां स्वप्नाः        | 70 |
| 36. | दुग्धगीतम्               | 72 |
| 37. | भवति भोजनं सुधासोदरम्    | 74 |
| 38. | भीरवो भवन्ति कथं बालाः?  | 75 |
| 39. | जननीवात्सल्यं तुल्यम्    | 77 |
| 40. | कीदृशं जीवनम्?           | 79 |
| 41. | प्रेषितो यद्धि कर्तुम्।  | 81 |
| 42. | गोदनहरी                  | 82 |
| 43. | चपलमुकुन्दो याचते।       | 83 |
| 44. | मातुलकुक्कुरः            | 84 |

|     |                                           |     |
|-----|-------------------------------------------|-----|
| 45. | शुकी-कपोती                                | 86  |
| 46. | मूषिकमयूरौ                                | 88  |
| 47. | तुभ्यं नतिं प्रदाय                        | 90  |
| 48. | समज्ञाशुकोऽहम्                            | 91  |
| 49. | मातश्चिन्ता नैव नैव कार्या                | 93  |
| 50. | द्वयोर्जीवनं मिथोऽपेक्षितम्               | 94  |
| 51. | ह्यास्तनिको नूनं बालोऽहम्                 | 96  |
| 52. | शिशुरेव तथा ऽस्माकं हुतात्माऽऽसीत्पुरातनः | 98  |
| 53. | सम्प्रतिशीतर्तुस्समागतः                   | 99  |
| 54. | नानीशाला-यात्रा                           | 101 |
| 55. | यदा मातुरङ्के भवाम्यहम्                   | 104 |
| 56. | रहस्यमिदं कः प्रकाशताम्?                  | 105 |